UNDER GRADUATE COURSE FOR SANSKRIT (PROGRAMME)

संस्कृत

UNDER

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION (UGC)
NEW DELHI

Illustration of Computation of SGPA and EGPA and Format for Transcripts

3. B.A/B.Com. Course

Course	Credit	Grade Letter	Grade Point	Credit Point (Credit X Grade)	SGPA (Credit Point/Credit)
First Year					
English-1	06	A	8	48	
Hindi/Skt/MIL-1	06	A+	9	54	
DSC-1A	06	B	6	36	
DSC-1B	06	B+	7	42	
DSC-2A	06	A	8	48	
DSC-2B	06	B+	7	42	
Environement Studies	04	B	6	24	
AECC-1	04	B+	7	28	
Total	**44**			**322**	**7.31**
Second Year					
English-2	06	B	6	36	
Hindi/Skt/MIL-2	06	B+	7	42	
DSC-IC	06	A	8	48	
DSC-ID	06	A+	9	54	
DSC-2C	06	B	6	36	
DSC-2D	06	A	8	48	
SEC/AEEC-1	04	A	8	32	
SEC/AEEC-2	04	B	6	24	
Total	**44**			**320**	**7.27**
Third Year					
SEC/AEEC-3	04	A+	9	36	
SEC/AEEC-4	04	A+	9	36	
DSE-1A	06	A	8	48	
DSE-1B	06	A+	9	54	
DSE-2A	06	B	6	36	
DSE-2B	06	A	8	48	
GE-1	06	A+	9	54	
GE-2	06	A	8	48	
Total	**44**			**360**	**8.18**
Grand Total	**132**			**1002**	**7.59 (1002/132)**

First Year	Second Year	Third Year
Credit:44; SGPA:7.31	Credit:44; SGPA:7.27	Credit:44; SGPA:8.18

Thus,**CGPA**=(44x7.31+44x7.27+44x8.18)=1002/132 =7.59

*Transcript (Format): Based on the above recommendations on Letter grades, grade point and SGPA and CCPA, the HEIs may issue the transcript for each year and a consolidated transcript indicating the performance in all years.

PROPOSED SCHEME FOR CHOICE BASED CREDIT SYSTEM IN B.A./B.COM

	Core Course (12)	**Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)**	**Ability Enhancement Elective Course/ Skil**	**Discipline Specific Elective DSE**	**Generic Elective GE**
	12 paper of 6 credits each	**2 paper of 4 credits each**	**4 paper of 4 credits each**	**4 paper of 6 credits each**	**2 paper of 6 credits each**
First Year	English-1 Skt/Hindi/MIL -1 SKT-DSC-103 नीति साहित्य **DSC-1A** SKT-DSC-101 संस्कृत काव्य **DSC-1B** SKT-DSC-102 संस्कृत गद्य काव्य **DSC-2A** **DSC-2 B**	Environmental studies English-Hindi/Skt (One out of three) SKT-AECC-104 उपनिषद् , श्रीमद्भगवद्गीता तथा पाणिनीय शिक्षा			
Second Year	English-2 Skt/Hindi/MIL-2 SKT-DSC-203 व्याकरण एवं संयोजन **DSC-1C** SKT-DSC-201 संस्कृत नाटक **DSC- 1D** SKT-DSC-202 संस्कृत –व्याकरण **DSC-2 C** **DSC- 2D**		**SEC-1** SKT-AEEC-205 आयुर्वेद के मूल सिद्धांत **SEC-2** SKT-AEEC-206 संस्कृत–छन्द एवं गायन		
Third year			**SEC-3** SKT-AEEC-305 भारतीय रंगशाला **SEC-4** SKT-AEEC-306 भारतीय वास्तुशास्त्र	**DSE-1A** SKT-DSE -301 व्यक्तित्व विकास का भारतीय दृष्टिकोण **DSE-1B** SKT-DSE-302 साहित्यिक समालोचना **DSE-2 A** **DSE-2 B**	**GE-1** SKT-GE-303 पातञ्जल योगसूत्र **GE-2** SKT-GE— 304 भाषा–विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त

CORE PAPERS FOR SANSKRIT
B.A. (Prog)

			Credit
First year	DSC-1 A	SKT- DSC-101 संस्कृत काव्य	6
	DSC-1B	SKT - DSC-102 संस्कृत गद्य काव्य	6
	Hindi/Skt/MIL-1	SKT - DSC-103 नीति साहित्य	6
	AECC	SKT-AECC-104 उपनिषद्, श्रीमद्भगवद्गीता तथा पाणिनीय शिक्षा	4
Second Year	DSC-1C	SKT-DSC- 201 संस्कृत नाटक	6
	DSC-1D	SKT-DSC-202 संस्कृत व्याकरण	6
	Hindi/Skt/MIL-2	SKT-DSC-203 व्याकरण एवं संयोजन	6
	AEEC/SEC-1	SKT-AEEC/SEC-205 आयुर्वेद के मूल सिद्धांत	4
	AEEC/SEC-2	SKT-AEEC/SEC-206 संस्कृत–छन्द एवं गायन	4
Third year	DSE-1A	SKT-DSE- 301 व्यक्तित्व विकास का भारतीय दृष्टिकोण	6
	DSE-1B	SKT-DSE-302 साहित्यिक समालोचना	6
	GE-1	SKT-GE-303 पातञ्जल योगसूत्र	6
	GE-2	SKT-GE-304 भाषा–विज्ञान के मूलभूत सिद्धांत	6
	AEEC/SEC-3	SKT-AEEC/SEC-305 भारतीय रंगशाला	4
	AEEC/SEC-4	SKT-AEEC/SEC-306 भारतीय वास्तुशास्त्र	4

FIRST YEAR DSC-1A **SKT-DSC-101** **संस्कृत काव्य**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	रघुवंशम्
Section 'B'	शिशुपालवधम्
Section 'C'	नीतिशतकम्
Section 'D'	संस्कृत काव्य का इतिहास
(B) Unit-Wise Division:	
	Section 'A' **रघुवंशम्**
Unit: I	कवि एवं काव्यपरिचय, सर्ग 1 (पद्य 1–10) सरलार्थ एवं व्याख्या, रघुवंशी राजाओं की विशेषताएं, राजा दिलीप की विशेषताएं
Unit: II	सर्ग–1 पद्य (11–25) सरलार्थ एवं व्याख्या, प्रजा की भलाई में दिलीप का योगदान।, रघुवंश नामकरण की सार्थकता, प्रदत्त विषय का परिचय।
	Section 'B' **शिशुपालवधम्**
Unit I	कवि एवं विषय का परिचय।, शिशुपालवध नामकरण की सार्थकता, प्रदत्त विषयवस्तु का परिचय।, सर्ग–2 पद्य (26–37), व्याकरण, सरलार्थ, व्याख्या, काव्य–सौष्ठव, विषयवस्तु विश्लेषण।
Unit II	सर्ग–2 पद्य (42–56), व्याकरण, सरलार्थ, काव्य–सौष्ठव, विषयवस्तु विश्लेषण माघे सन्ति त्रयो गुणाः, मेघे माघे गतं वयः, तावद् भा भारवेर्भाति यावन्माघस्य नोदयः (इन उक्तियों का विश्लेषण)।
	Section 'C' **नीतिशतकम्**
Unit I	पद्य 1–10, सरलार्थ, व्याख्या।
Unit II	पद्य 11–20, सरलार्थ, व्याख्या, भर्तृहरि के सामाजिक अनुभव, मूर्खों के प्रकार
	Section 'D' **संस्कृत काव्य का इतिहास**
Unit I	अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, श्रीहर्ष, जयदेव, भर्तृहरि तथा उनकी रचनाएँ।
Unit II	महाकाव्य और गीतिकाव्य का उद्भव और विकास, उपर्युक्त कवियों और उनकी रचनाओं के संदर्भ में।

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(C) Suggested Books/Readings	
1.	नीतिशतक, विमल चन्द्रिका संस्कृत एवं हिन्दी व्याख्या सहित।
2.	विष्णुदत्त शर्मा शास्त्री (व्या.), नीतिशतक, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
3.	तारिणीश झा, नीतिशतक, रामनारायनलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद, 1976।
4.	ओमप्रकाश पाण्डेय, नीतिशतक, मनोरमा हिन्दी–व्याख्या सहित चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1976।
5.	बाबूराम त्रिपाठी (सम्पा.), नीतिशतक, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, 1968।
6.	C.D. Devadhar (Text, Eng. Tr.), Raghuvamsam of Kalidasa, MLBD. Delhi.
7.	M.R. Kale (Text, Eng. Tr.), Raghuvamsam of Kalidasa, MLBD. Delhi
8.	Gopal Raghunath Nandergikar, Raghuvamsam of Kalidasa, MLBD, Delhi.
9.	कृष्णमणि त्रिपाठी, रघुवंशम् (मल्लिनाथकृत सञ्जीवनीटीका), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
10.	Sisupalavadham of Magha
11.	Mirashi, V.V., Kalidasa, Popular Publication, Mumbai.
12.	Keith, A.B.: History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
13.	Krishnamachariar, History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
14.	Gaurinath Shastri, A Concise History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
15.	Winternitz, Maurice, Indian Literature (Vol. I-III), also Hindi Translation, MLBD, Delhi.

FIRST YEAR DSC-1B **SKT-DSC-102** **संस्कृत गद्य काव्य**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	शुकनासोपदेश
Section 'B'	शुकनासोपदेश
Section 'C'	शिवराज विजय (प्रथम निःश्वास)
Section 'D'	संस्कृत गद्यकाव्य का सर्वेक्षण
(B) Unit-Wise Division:	
	Section 'A' **शुकनासोपदेश**
Unit I	लेखक एवं विषयवस्तु का परिचय, प्रारम्भ से लेकर– 'यथा यथा चेयं चपला दीप्यते' इस गद्य की समाप्तिपर्यन्त सरलार्थ एवं व्याख्या।
	Section 'B' **शुकनासोपदेश**
Unit I	'उत्सारणवेत्रलता सत्पुरुषव्यवहाराणाम्' इस गद्य से लेकर 'अभिषेकानन्तरं च प्रारब्ध दिग्विजय' इस गद्य की समाप्ति प्रयन्त सरलार्थ एवं व्याख्या
Unit II	शुकनासोपदेश में वर्णित समाज तथा राजनीतिक विचार तथा सूक्तियों का तार्किक अर्थ एवं उपयोगिता
	Section 'C' **शिवराजविजयम् (प्रथमः निःश्वास)**
Unit I	गद्य 1–20, लेखक एवं विषय वस्तु का परिचय, व्याकरण, सरलार्थ तथा व्याख्या, गद्य सौष्ठव, कथावस्तु, घटनाक्रम का समय निर्धारण।
Unit II	गद्य 21 से समाप्ति पर्यन्त। व्याकरण, सरलार्थ व्याख्या, गद्यसौष्ठव, कथावस्तु, घटनाक्रम का समय निर्धारण।
	Section 'D' **संस्कृत गद्यकाव्य का सर्वेक्षण**
Unit I	गद्यकाव्य का उद्भव और विकास तथा प्रमुख रोमांचक प्रेम–कथाएं : सुबन्धु, बाण, दण्डी, अम्बिकादत्त व्यास।
Unit II	पंचतंत्र, हितोपदेश, बेतालपंचविंशतिका, का सामान्य परिचय।

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(C) Suggested Books/Readings	
1.	भानुचन्द्रसिंह, शुकनासोपदेश : संस्कृत टीका तथा हिन्दी व्याख्या व अनुवाद सहित।
2.	प्रहलाद कुमार (व्या.), शुकनासोपदेश, मेहरचन्द लक्ष्मनदास, दिल्ली, 1974।
3.	रामनाथ शर्मा सुमन (व्या.), शुकनासोपदेश, साहित्य भण्डार, दिल्ली, 1968।
4.	बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन, वाराणसी।
5.	प्रीतिप्रभा गोयल, संस्कृत साहित्य का इतिहास, राजस्थानी ग्रन्थागार, जोधपुर।
6.	उमाशंकर शर्मा ऋषि : संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी।
7.	राधावल्लभ त्रिपाठी : संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
8.	चम्पूभारतम् (भारतचम्पू) अनन्तभट्ट विरचित 'प्रकाश' संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित, व्याख्याकार : आचार्य श्रीरामचन्द्र मिश्र चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
9.	A.B. Keith, *History of Sanskrit Literature*, also Hindi translation, MLBD, Delhi (हिन्दी अनुवाद, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली)।
10	Krishnamachariar, History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
11.	Gaurinath Shastri, A Concise History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
12	Winternitz, Maurice, Indian Literature (Vol. I-III), also Hindi Translation, MLBD, Delhi

FIRST YEAR MIL Core -1 **SKT-DSC-103** **नीति साहित्य**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Courses	
Section 'A'	पंचतन्त्रम्
Section 'B'	नीतिशतकम्
Section 'C'	संस्कृत नीति साहित्य का सामान्य परिचय
Section 'D'	अथर्ववेद का ब्रह्मचर्य सूक्त
(B) Unit-Wise Division	
	Section 'A' **पंचतन्त्रम्**
Unit I	निम्नलिखित कथाओं का सामान्य परिचय तथा इन कथाओं का मनोवैज्ञानिक प्रभाव (क्षपणक कथा, सिंह–कारक–मूर्खब्राह्मण कथा)
Unit II	निम्नलिखित कथाओं का सामान्य परिचय तथा इन कथाओं का मनोवैज्ञानिक प्रभाव (मूर्खपण्डित–कथा, वानर–मकर–कथा तथा गंगदत्तमण्डूक कथा)
	Section 'B' **नीतिशतकम्**
Unit I	सरलार्थ, व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर हेतु अपेक्षित हैं। नीतिशतकम् का परिचय, पद्य 1–10–सरलार्थ
Unit II	पद्य 11–20 सरलार्थ
	Section 'C' **संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय**
Unit I	महाकाव्य (कालिदास तथा भारवि) गद्यकाव्य (बाण भट्ट तथा दण्डी)
Unit II	नाटक (भास, कालिदास एवं भवभूति)
	Section 'D' अथर्ववेद का ब्रह्मचर्य सूक्त
Unit I	अथर्ववेद के ब्रह्मचर्य सूक्तानुसार ब्रह्मचर्य का स्वरूप, आचार्य का स्वरूप, आचार्य शिष्य परम्परा

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(C) Suggested Books/Readings:	
1.	श्यामाचरण पाण्डेय (व्या.), पंचतंत्रम् (विष्णु शर्मा), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1975
2.	A Collection of Ancient Hindu Tales (ed.) Franklin Edgerton, Johannes Hertel, 1908.
3.	M.R. Kale, Pancatantram (Ed. and Trans.), Motilal Banarasidass, Delhi, 1999.
4.	Chandra Rajan, Pancatantram (trans.) Penguin Classics, Penguin Books.
5.	विष्णुदत्त शर्मा शास्त्री, नीतिशतकम् (भर्तृहरि): विमलचन्द्रिका संस्कृत टीका व हिन्दी, व्याख्यासहित, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ।
6.	नीतिशतकम् (भर्तृहरि): संस्कृत टीका व हिन्दी व अंग्रेजी व्याख्यासहित।
7.	तारिणीश झा, नीतिशतकम् (भर्तृहरि) रामनारायणलाल बेनीमाधव, इलाहाबाद, 1976।
8.	ओमप्रकाश पाण्डेय, नीतिशतकम् (भर्तृहरि) मनोरमा हिन्दी–व्याख्या सहित, चौखम्भा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1982।
9.	बाबूराम त्रिपाठी, नीतिशतकम् (भर्तृहरि) महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा, 1986।
10.	उमाशंकर शर्मा ऋषि : संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी।
11.	रमाशंकर त्रिपाठी, संस्कृत साहित्य का प्रामाणिक इतिहास, कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
12.	राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
13.	भोलाशंकर व्यास, संस्कृतकविदर्शन, चौखम्भा विद्याभवन, वाराणसी।
14.	अथर्ववेदसंहिता, सायणभाष्य, व्याख्याकार पं रामस्वरूप गौड (हिन्दी भाषा अनुवाद सहित) चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन दिल्ली।
15.	Dasgupta, S.N., A History of Sanskrit Literature: Classical Period, University of Calcutta, 1977.
16.	Keith, Arthur Berriedale, A History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
17	Krishnamachariar, M. Classical Sanskrit Literature. MLBD, Delhi.

FIRST YEAR SKT-AECC-104 **उपनिषद्, गीता तथा पाणिनीय षिक्षा**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	उपनिषद् : ईशावास्योपनिषद्
Section 'B'	श्रीमद्भगवद्गीता
Section 'C'	औपनिषदिक दर्शन का सामान्य परिचय
Section 'D'	पाणिनीय शिक्षा
	Section 'A' **उपनिषद् : ईशावास्योपनिषद्**
(B Unit Wise Division :	
Unit I	ईशावास्योपनिषद् का परिचय
Unit II	ईशावास्योपनिषद् के मन्त्रों का सरलार्थ
	Section 'B' **श्रीमद्भगवद्गीता : अध्याय– 2**
Unit I	श्रीमद्भगवद्गीता का सामान्य परिचय, अध्याय–2 (पद्य 1–25), सरलार्थ एवं व्याख्या
Unit II	श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय–2 (पद्य 26–72), सरलार्थ एवं व्याख्या
	Section 'C' **औपनिषदिक दर्शन का सामान्य परिचय**
Unit I	औपनिषदिक दर्शन का सामान्य परिचय : आत्मा, ब्रह्म, ईश्वर, कर्म और सृष्टि
	Section 'D' **पाणिनीय शिक्षा**
Unit I	पाणिनीय शिक्षा (1–14 पद्य) सरलार्थ एवं व्याख्या

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(C) Suggested Books/Readings	
1.	हनुमान प्रसाद पोद्दार (सम्पादक), ईशावास्योपनिषद्, गीताप्रेस गोरखपुर।
2.	शिवनारायण शास्त्री (व्या), ईशावास्योपनिषद् परिमल प्रकाशन, दिल्ली, 1996।
3.	शशि तिवारी (व्या), ईशावास्योपनिषद् : भूमिका एवं व्याख्या, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 1997।
4.	बलदेव उपाध्याय, संस्कृत साहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन, वाराणसी।
5.	बलदेव उपाध्याय, वैदिक साहित्य और संस्कृति, वाराणसी।
6.	प्रीतिप्रभा गोयल, संस्कृत साहित्य का इतिहास, राजस्थानी ग्रन्थाकार, जोधपुर।
7.	उमाशंकर शर्मा ऋषि : संस्कृत साहित्य का इतिहास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी।
8.	रमेश भारद्वाज, नवजागरण एवं स्वतन्त्रता आन्दोलन में उपनिषदों की भूमिका, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली।
9.	राधावल्लभ त्रिपाठी, संस्कृति साहित्य का अभिनव इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
10.	पाणिनीय शिक्षा, 'वेदांगशिक्षाविर्मशाख्य' व्याख्याकार– शिवराज आचार्य कौण्डिन्नायायन, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, दिल्ली
11.	Keith, A.B: *History of Sanskrit Literature, also* Hindi translation, MLBD, Delhi (हिन्दी अनुवाद, मंगलदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली)।
12.	Krishnamachariar, History of Classical Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
13.	Gaurinath Shastri, A Concise History of Sanskrit Literature, MLBD, Delhi.
14.	Winternitz Maurice, Indian Literature (Vol. I-III), also Hindi Translation, MLBD, Delhi.

SECOND YEAR **DSC-1C** **SKT-DSC-201** **संस्कृत नाटक**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	कर्णभारम् (सम्पूर्ण)
Section 'B'	अभिज्ञानशाकुन्तलम् : चतुर्थ अंक–कालिदास
Section 'C'	संस्कृत नाट्यशास्त्रीय पारिभाषिक शब्दावली
Section 'D'	संस्कृत नाटक का इतिहास तथा प्रमुख नाटकों का परिचय
(B) Unit-wise Division:	
	Section 'A' **कर्णभारम् (सम्पूर्ण)**
Unit I	कर्णभार नाटक का परिचय, सरलार्थ, व्याख्या, काव्य सौष्ठव और कथावस्तु।
Unit II	हिन्दी व्याकरण, हिन्दी से संस्कृत में सरल अनुवाद
	Section 'B' **अभिज्ञानशाकुन्तलम् : चतुर्थ अंक (कालिदास)**
Unit I	चतुर्थ अंक (क) परिचय, नांदी, प्रस्तावना, सूत्रधार, नटी, विष्कम्भक, विदूषक और कंचुकी आदि पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या।
Unit II	चतुर्थ अंक (ख) व्याकरण, सरलार्थ, व्याख्या, काव्य–सौष्ठ्व और कथावस्तु तथा घटनाक्रम का समय निर्धारण एवं प्रकृति का मानवीकरण, अभिज्ञानशाकुन्तलम् का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण, काव्येषु नाटकं रम्यम्, उपमा कालिदासस्य उक्तियों की समीक्षा।
	Section 'C' **संस्कृत नाट्यशास्त्रीय संस्कृत पारिभाषिक शब्दावली**
Unit I	नाटक, नायक, नायिका, पूर्वरङ्ग, सूत्रधार, नेपथ्य।
Unit II	अङ्क, स्वगत, प्रकाश, अपवारित, जनान्तिक, आकाशभाषित, प्रवेशक एवं भरतवाक्य।
	Section 'D' **संस्कृत नाटक का इतिहास तथा प्रमुख नाटकों का परिचय**
Unit I	उद्भव और विकास।
Unit II	प्रमुख नाटक एवं नाटककार (भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, हर्ष, भवभूति तथा उनकी रचनाएं।)

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(C) Suggested Books/Readings	
1.	सुबोधचन्द्र पन्त, अभिज्ञानशाकुन्तलम् मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2.	सुरेन्द्रदेव शास्त्री, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, रामनारायण बेनीप्रसाद, इलाहाबाद।
3.	नारायणराम आचार्य, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, निर्णयसागर प्रेम।
4.	C.D. Devadhar (Ed.), Abhijnanasakuntalam, MLBD, Delhi.
5.	M.R. Kale (Ed.), Abhijnanasakuntalam. MLBD, Delhi.
6.	Gajendra Gadakar (Ed.), Abhijnanasakuntalam, MLBD, Delhi.
7.	Ramendramohan Bose, Abhijnasakuntalam, Modern Book Agency, Calcutta.
8.	भागवतशरण उपाध्याय, कालिदास कवि और काव्य, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी।
9.	हजारीप्रसाद द्विवेदी, कालिदास की लालित्य योजना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10.	पंकज कुमार मिश्र, शाकुन्तलविषयक रम्यत्व की अवधारणा, परिमल पब्लिकेशन, दिल्ली।
11.	Minakshi Daalal, Conflict in Sanskrit Drama, Somaiya Publication Pvt. Ltd.
12.	Ratnamayi Dikshit, Women in Sanskrit Dramas, Meherchand Lacchman Das, Delhi.
13.	A.B. Keith, Sanskrit Drama, Oxford University Press London, 1970
14.	Minakshi Dalal, Conflict in Sanskrit Drama, Somaiya Publication Pvt. Ltd.
15.	G.K. Bhat, Sanskrit Drama, Karnataka University Press, Dharwar, 1975.

SECOND YEAR **DSC-1D** **SKT-DSC-202** **संस्कृत व्याकरण**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	लघुसिद्धांतकौमुदी : संज्ञा प्रकरण
Section 'B'	लघुसिद्धांतकौमुदीः संधि प्रकरण
Section 'C'	लघुसिद्धांतकौमुदी : विभक्ति प्रकरण
Section 'D'	लघुसिद्धांतकौमुदी : स्त्री प्रत्यय
(B) Unit Wise Division :	
	Section 'A' **लघुसिद्धांतकौमुदी : संज्ञा प्रकरण**
Unit I	संज्ञा प्रकरण
	Section 'B' **लघुसिद्धांतकौमुदी : संधि प्रकरण**
Unit I	अच् संधि– यण्, गुण, दीर्घ, अयादि, वृद्धि और पूर्वरूप संधि।
Unit II	हल् संधि– श्चुत्व, ष्टुत्व, अनुनासिकत्व, छत्व और जश्त्व।
Unit III	विसर्ग संधि– उत्व, सत्व, रूत्व, लोप।
	Section 'C' **लघुसिद्धांतकौमुदी : विभक्त्यर्थ प्रकरण**
Unit I	विभक्त्यर्थ प्रकरण तथा अनुवाद
	Section 'C' **लघुसिद्धांतकौमुदी : स्त्री प्रत्यय**
Unit I	ङीप्, टाप्, ऊङ्

(C) Suggested Books/Readings	
1.	धरानन्द शास्त्री, लघुसिद्धान्तकौमुदी, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, दिल्ली।
2.	भीमसेन शास्त्री, लघुसिद्धान्तकौमुदी भैमी व्याख्या (भाग–1), भैमी प्रकाशन, दिल्ली।
3.	चारूदेव शास्त्री, व्याकरण चन्द्रोदय (भाग–1), भैमी प्रकाशन, दिल्ली।
4.	सत्यपाल सिंह (संपा.), लघुसिद्धान्तकौमुदी : प्रकाशिका नाम्नी हिन्दी व्याख्या सहिता, शिवालिक पब्लिकेशन, दिल्ली : 2014।
5.	V.S. Apte, The Student's Guide to Sanskrit Composition, Chowhamba Sanskrit Series, Varansasi (Hindi Translation also available).
6.	M.R. Kale, Higher Sanskrit Grammer, MLBD, Delhi (Hindi Translation also available).
7.	Kanshiram, Laghusiddhantakaumdudi (Vol. I), MLBD, Delhi, 2009.
8.	Online Tools for Sanskrit Grammer developed by Computational Linguistics Group, Department of Sanskrit, University of Delhi: http://sanskrit.du.ac.in.

SECOND YEAR **Mil- Core-2** **SKT-DSC-203** **व्याकरण एवं संयोजन**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	प्रत्याहार सूत्र एवं उच्चारण स्थान
Section 'B'	समास
Section 'C'	कृत् प्रत्यय
Section 'D'	निबन्ध तथा अनुवाद
(B) Unit Wise Division :	
	Section 'A' **संधि**
Unit I	संज्ञा प्रकरण : प्रत्याहार सूत्र, उच्चारण स्थान, उच्चारण प्रयत्न, संयोग, संहिता तथा पद संज्ञा के सूत्र सहित उदाहरण ।
	Section 'B' **समास**
Unit I	समास : अव्ययी भाव समास, तत्पुरूष, बहुव्रीहि और द्वन्द्व समास।
	Section 'C' **कृत् प्रत्यय**
Unit I	कृत् प्रत्यय : तव्यत्, अनीयर्, यत्, ण्यत्, ण्वुल्, तृच्, अण्, क्त, क्तवतु, शतृ शानच्, तुमुन्, क्त्वा, ल्यप् तथा ल्युट्।
	Section 'D' **निबन्ध तथा अनुवाद**
Unit I	संस्कृत में लघु निबन्ध तथा हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद।

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(C) Suggested Books/Readings	
1.	धरानन्द शास्त्री, लघुसिद्धान्तकौमुदी, मूल एवं हिन्दी व्याख्या, दिल्ली।
2.	भीमसेन शास्त्री, लघुसिद्धान्तकौमुदी भैमी व्याख्या (भाग–1), भैमी प्रकाशन, दिल्ली।
3.	चारूदेव शास्त्री, व्याकरण चन्द्रोदय (भाग–1,2 एवं 3), मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
4.	सत्यपाल सिंह (संपा.), लघुसिद्धान्तकौमुदी : प्रकाशिका नाम्नी हिन्दी व्याख्या सहिता, शिवालिक पब्लिकेशन, दिल्ली, 2014।
5.	V.S. Apte, The Student's Guide to Sanskrit Composition, Chowkhamba Sanskrit Series, Varanasi (Hindi Translation also available).
6.	M.R. Kale, Higher Sanskrit Grammar, MLBD, Delhi (Hindi Translation also available).
7.	Kanshiram, Laghusiddhantakaumudi (Vol. I), MLBD, Delhi, 2009.
8.	Online Tools for Sanskrit Grammer developed by Computational Linguistics Group, Department of Sanskrit, University of Delhi: http://sanskrit.du.ac.in.

SECOND YEAR **SEC-1** **SKT-AEEC-205** **आयुर्वेद के मूल सिद्धान्त**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	आयुर्वेद का परिचय
Section 'B'	चरकसंहिता (सूत्र स्थानम्)
Section 'C'	तैत्तिरीयोपनिषद्
Section 'D'	अष्टाङ्गहृदयम् (स्वस्थवृत्त)
(B) Unit-Wise Division:	
	Section 'A' **आयुर्वेद का परिचय**
Unit I	आयुर्वेद का परिचय, औषधि विज्ञान का चरक पूर्वकालीन इतिहास, आयुर्वेद की दो शाखाए (धन्वन्तरि और पुनर्वसु)
Unit II	आयुर्वेद के प्रमुख आचार्य (चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट माधव, शारङ्गधर और भावमिश्र)
	Section 'B' **चरकसंहिता – सूत्र स्थानम्**
Unit I	षड्ऋतुओं में काल विभाग तथा शरीर एवं प्रकृति की अवस्था। हेमन्त, शिशिर, वसन्त, ग्रीष्म, वर्षा और शरद ऋतुओं में रहन–सहन और आहार सम्बन्धी नियम।
	Section 'C' **तैत्तिरीयोपनिषद्**
Unit I	भृगुवल्ली – अनुवाक् 1–3
	Section 'C' **अष्टाङ्गहृदयम् (स्वस्थवृत्त)**
Unit I	अष्टाङ्गहृदयम् (स्वस्थवृत्त)

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(C) Suggested Books/Readings	
1.	Brahmananda Tripathi (Ed.), Charakasamhita, Chaukhamba Surbharati Prakashana, Varanasi, 2005.
2.	Taittiriyopanisad – Bhrguvalli.
3.	Atridev Vidyalankar, Ayurveda ka Brhad itiasa.
4.	Priyavrat Sharma, Caraka Chintana.
5.	V. Narayanaswami, Origin and Development of Ayurveda (A brief history), Ancient Science of life, Vol. 1, No. 1, July 1981, page 1-7
6	अष्टाङ्गहृदयम् (सूत्रस्थानम्) वाग्भट विरचितम्, व्याख्याकार : प्रो0 रविदत्त त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, दिल्ली

SECOND YEAR **SEC-2** **SKT-AEEC-206** **संस्कृत छन्द एवं गायन**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	छन्द–शास्त्र का सामान्य इतिहास
Section 'B'	छन्दों के प्रकार और तत्त्व
Section 'C'	चुने हुए वैदिक छन्दों का विश्लेषण और गान पद्धति
Section 'D'	चुने हुए शास्त्रीय छन्दों का विश्लेषण और गान पद्धति
(B) Unit-Wise Division	
	Section 'A' **छन्द– शास्त्र का सामान्य इतिहास**
Unit I	छन्द–शास्त्र का सामान्य इतिहास
	Section 'B' **छन्दों के प्रकार और तत्त्व**
Unit I	अक्षरवृत्त, वर्णवृत्त, मात्रावृत्त, लघु और गुरु
Unit II	गणविचार
	Section 'C' **चुने गए वैदिक छन्द और उनकी गान पद्धति।**
Unit I	निम्न छन्दों के लक्षण, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक सिद्धान्तः गायत्री, उष्णिक्, अनुष्टुप्, बृहती, पंक्ति, त्रिष्टुप् और जगती।
	Section 'D' **चुने गए शास्त्रीय छन्दों का विश्लेषण और उसकी गान पद्धति।**
Unit I	निम्न छन्दों के लक्षण, उदाहरण, विश्लेषण और गीतात्मक सिद्धान्तः भुजंगप्रयात, हरिगीतक, विद्युन्माला, अनुष्टुप आर्या, मालिनी, शिखरिणी, वसंततिलका, मन्दाक्रान्ता, स्रग्धरा, पंचचामर।

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(D) Suggested Books/Readings:	
1.	Brown, Charles Philip (1869), Sanskrit Prosody and Numerical Symbols Explained. London: Trubner & Co.
2.	Deo, Ashwini, S. (2007). The Metrical Organizaton of Classical Sanskrit Verse, (PDF), Journal of Linguistics 43 (01): 63-114. doi: 10.1017/s0022226706004452.
3.	Recordings of rciation: H.V. Nagaraja Rao (ORI, Mysore), Ashwini Deo, Ram Karan Sharma, Arvind Kolhatkar.
4.	Online Tools for Sanskrit Meter developed by Computational Linguistics Group, Department of Sanskrit, University of Delhi: http://sanskrit.du.ac.in
5.	धरानन्द शास्त्री (संपा.), केदारभट्ट विरचित वृत्तरत्नाकर, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004।

THIRD YEAR **DSE-1A** **SKT-DSE-301** **व्यक्तित्व विकास का भारतीय दृष्टिकोण**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	ऐतिहासिक दृष्टिकोण
Section 'B'	व्यक्ति की अवधारणा
Section 'C'	व्यक्तित्व के प्रकार
Section 'D'	व्यवहार सुधार के मापदण्ड
(B) Unit Wise Division :	
	Section 'A' **ऐतिहासिक दृष्टिकोण**
Unit I	ऋग्वेद–1.164.37 छान्दोग्योपनिषद्–6.2.3, 6.8.6, 8.1.4 बृहदारण्यकोपनिषद्, 2. 5.18–19
	Section 'B' **व्यक्ति की अवधारणा**
Unit II	व्यक्ति की अवधारणा– श्रीमद्भगवद्गीता, अध्याय 7 (पद्य 1–30, जीव की अष्टधा प्रकृति)
	क्षेत्र और क्षेत्रज्ञ– श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय–13, (श्लोक 1–2, 5–6, 19–23)क्षर और अक्षर– (अध्याय 15, श्लोक 7–11, 16–19)
	Section 'C' **व्यक्तित्व के प्रकार**
Unit III	व्यक्तित्व के प्रकार– श्रीमद्भगवद्गीता (अध्याय –14 श्लोक 5–14, अध्याय 17 श्लोक 2–6, 11–21)
	Section 'D' **व्यवहार सुधार के मापदण्ड**
Unit IV	व्यवहार सुधार के प्रकार : मन और इन्द्रियों का नियन्त्रण श्रीमद्भगवद्गीता : अध्याय 2 : 59–60, 64–68 अध्याय 3 श्लोक 41–43 अध्याय 6 श्लोक 19–23 सम्यक् आस्था : श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय 9, श्लोक 3, 22–28, 30–34 स्वधर्म की पहचान – अन्तरात्मा की आवाज : श्रीमद्भगवद्गीता अध्याय 2–श्लोक 31, 41–44; अध्याय 3 श्लोक 4,5,8,9, 27–30,33–34 अध्याय 4 श्लोक 18–22

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(C) Suggested Books/Readings	
1.	Radhakrishana, The Bhagvadgita.
2.	Gita with Hindi Translation, Gita Press, Gorakhpur.

THIRD YEAR **DSE-1B** **SKT-DSE-302** **साहित्यिक समालोचना**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	काव्य प्रकाश : काव्य वैशिष्ट्य, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, स्वरूप
Section 'B'	काव्य प्रकाश : काव्य भेद
Section 'C'	काव्य प्रकाश : शब्दशक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना)
Section 'D'	रस–विवेचन
(B) Unit Wise Division :	
	Section 'A' **काव्य प्रकाश : काव्य वैशिष्ट्य एवं काव्य प्रयोजन**
Unit I	काव्य प्रकाश : काव्य वैशिष्ट्य एवं काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, स्वरूप
	Section 'B' **काव्य प्रकाश : काव्यभेद**
Unit I	काव्य प्रकाश : काव्यभेद
	Section 'C' **काव्य प्रकाश : शब्द शक्तियाँ**
Unit I	काव्य प्रकाश : शब्द शक्तियाँ : अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना
	Section 'C' **रस–विवेचन**
Unit I	रस की परिभाषा एवं प्रकार । प्रथम तीन रसों (शृंगार, हास्य तथा करुण रस) का विवेचन ।

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(C) Suggested Books/Readings	
1.	Nagendra (Ed.), Kavyaprakasa of Mammat, Commentary in Hindi by Acharya Vishveshvar, Jnanamandala Varanasi, 2014.
2.	Parasnath Dwivedi (ed.), Kavyaprakasa of Mammat, Vinod Pustak Mandir, Agra, 1986.
3	काव्य प्रकाश, लेखक : आचार्य मम्मट, व्याख्याकार : आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि

THIRD YEAR **GE-1** **SKT-GE-303** **पातञ्जल योगसूत्र**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	योगदर्शन की पृष्ठभूमि
Section 'B'	पातञ्जल योगसूत्र : समाधि पाद
Section 'C'	पातञ्जलयोगसूत्र : साधन पाद
Section 'D'	पातञ्जलयोगसूत्र : विभूति पाद
(B) Unit-Wise Division	
	Section 'A' **योगदर्शन की पृष्ठभूमि**
Unit I	योगदर्शन की पृष्ठभूमि, योग के विभिन्न प्रकारों का सामान्य परिचय, योग की उपादेयता
	Section 'B' **पातञ्जल योगसूत्र – समाधि पाद**
Unit I	समाधि पाद सूत्र (1–15)
Unit II	समाधि पाद सूत्र (16–29)
	Section 'C' **पातञ्जलयोगसूत्र – साधन पाद**
Unit I	साधन पाद सूत्र (29–45)
Unit II	साधन पाद सूत्र (46–55)
	Section 'D' **पातञ्जल योगसूत्र – विभूति पाद**
Unit I	विभूति पाद सूत्र (सम्पूर्ण)

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(D) Suggested Books/Readings:	
1.	Patanjala Yogadarsana, Gita Press, Gorakhpur.
2.	Yogapradipa, Gita Press, Gorakhpur

THIRD YEAR **GE-2** **SKT-GE-304** **भाषा विज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	भाषा विज्ञान का परिचय और भाषाओं का वर्गीकरण
Section 'B'	ध्वनि विज्ञान और स्वरविज्ञान
Section 'C'	रूप विज्ञान और वाक्य रचना
Section 'D'	अर्थ विज्ञान
(B) Unit-Wise Division:	
	Section 'A' **भाषा विज्ञान का परिचय और भाषाओं का वर्गीकरण**
Unit: I	भाषा विज्ञान और भाषा परिचय
Unit: II	भाषाओं का वर्गीकरण और भारत में भाषा परिवार
	Section 'B' **ध्वनि विज्ञान अध्ययन : ध्वनि और स्वर विज्ञान सांवहनिक, श्रावणिक, औच्चारणिक ध्वनि विज्ञान**
Unit I	वाग्यन्त्र और उनसे निकलने वाली ध्वनियाँ
	Section 'C' **शब्द और वाक्य अध्ययन : रूपविज्ञान और स्वर विज्ञान**
Unit 1	रूपिम, उपसर्ग, मध्यप्रत्य, अन्त्य प्रत्यय
	Section 'D' **अर्थ विज्ञान, अर्थ की प्रतीति के प्रकार, शब्द और अर्थ का सम्बन्ध**
Unit 1	अर्थ परिवर्तन के प्रकार

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(C) Suggested Books/Readings	
1.	An Introduction to Language by Victoria Fromkin and Robert Reodman, 6th Ed.
2.	Schmitt, N. (2002). An Introduction to Applied Linguistics. Oxford: Oxford University Press.
3.	Noam Chomsky, David W. Lightfoot, Syntactic Structures, Walter de Gruyter, 2002.
4.	कर्ण सिंह, भाषा विज्ञान, साहित्य भण्डार, मेरठ
5.	भोलानाथ तिवारी, तुलनात्मक भाषाविज्ञान, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
6.	कपिलदेव द्विवेदी, भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7.	देवेन्द्रनाथ शर्मा, भाषाविज्ञान की भूमिका, राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
8.	T. Burrow, Sanskrit Language.
9.	B.K., Ghosh, Linguistics Introduction to Sanskrit, Sanskrit Pustaka Bhandar, Calcutta, 1977
10.	S.K. Verma and N. Krishnaswamy, Modern Linguistics, Oxford University Press, Delhi.

THIRD YEAR **SEC-3** **SKT-AEEC-305** **भारतीय रंगशाला**	पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी) पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी) लिखित परीक्षा 70 अंक आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक समय : तीन घण्टे
(A) Prescribed Course:	
Section 'A'	भारतीय रंगशाला का इतिहास एवं परम्परा
Section 'B'	भारतीय रंगशाला : निर्माण एवं प्रकार
Section 'C'	अभिनय : आंगिक, वाचिक सात्त्विक एवं आहार्य
Section 'D'	नाटक : वस्तु, नेता और रस
(B) Unit-Wise Division:	
	Section 'A' **भारतीय रंगशाला का इतिहास एवं परम्परा**
Unit I	विभिन्न कालखण्डों में रंगमंच का उद्भव और विकास : प्रागैतिहासिक तथा वैदिक काल
Unit II	महाकाव्य एवं पौराणिक काल : राजदरबार रंगमंच, देवालय रंगमंच, मुक्त रंगमंच (खुला) आधुनिक रंगमंच, लोक रंगमंच, राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय रंगमंच।
	Section 'B' **रंगशालाः निर्माण एवं प्रकार**
Unit I	रंगशालाः निर्माण एवं प्रकार
	Section 'C' **अभिनयः आंगिक, वाचिक, सात्त्विक और आहार्य।**
Unit I	अभिनयः आंगिक, वाचिक
Unit II	सात्त्विक और आहार्य।
	Section 'D' **नाटकः वस्तु, नेता और रस**
Unit I	वस्तु
Unit II	नेता
Unit III	रस

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

(C) Suggested Books/Readings	
1.	राधावल्लभ त्रिपाठी (सम्पा. एवं संक.), संक्षिप्तनाट्यशास्त्र हिन्दी भाषानुवादसहित, वाणी प्रकाशन दिल्ली 2008।
2.	राधावल्लभ त्रिपाठी, भारतीय नाट्य : स्वरूप एवं परम्परा, संस्कृत परिषद्, सागर मध्य प्रदेश 1988।
3.	हजारी प्रसाद द्विवेदी (सं.) नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा एवं दशरूपक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1963।
4.	सीताराम झा, नाटक और रंगमंच, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना 1982।
5.	बाबूलाल शुक्ल शास्त्री (सम्पा.), नाट्यशास्त्र (1–4), चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1984।
6.	राधावल्लभ त्रिपाठी, नाट्यशास्त्र विश्वकोश (1–4 भाग), प्रतिभा प्रकाशन दिल्ली, 1999।
7.	राधावल्लभ त्रिपाठी, भारतीय नाट्यशास्त्र की परम्परा और विश्व रंगमंच, प्रतिभा प्रकाशन दिल्ली।
8.	व्रजमोहन चतुर्वेदी, नाट्यशास्त्रम्, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली, 2003।
9.	केशवराममुसलगांवकर, संस्कृत नाट्य मीमांसा, परिमल प्रकाशन, दिल्ली।
10.	शिवशरण शर्मा, आचार्य भरत, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल।
11.	रामलखन शुक्ल, संस्कृत नाट्य कला, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 1970
12.	गोविन्द चन्द्र राय, नाट्यशास्त्र में रंगशालाओं के रूप, काशी, 1958।
13.	भानुशंकर मेहता, भरत नाट्यशास्त्र तथा आधुनिक प्रासंगिकता, वाराणसी।
14.	वाचस्पति मेहता, भारतीय नाट्य परम्परा एवं अभिनयदर्पण, इलाहाबाद, 1967।
15.	लक्ष्मी नारायण लाल, रंगमंच और नाटक की भूमिका, दिल्ली, 1965।
16.	लक्ष्मी नारायण गर्ग, भारत के लोकनाट्य, हाथरस संगीत कार्यालय, 1961।
17.	सीताराम चतुर्वेदी, भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच, हिन्दी समिति, लखनऊ, 1964।
18.	जगदीशचन्द्र माथुर, परम्पराशील नाट्य, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना, 1961।
19.	C.B. Gupta, Indian Theatre, Varanasi, 1954.
20.	R.K. Yajnick, Indian Theatre, London, 1933.
21.	Tarla Mehta, Sanskrit Play Production in Ancient India, MLBD, Delhi, 1999.
22.	Allardyce Nicoll, The Theatre and Dramatic Theory, London. 1962.

THIRD YEAR **SEC-4** **SKT-AEEC-306** **भारतीय वास्तुशास्त्र**	**पूर्णांक : 100 (इक्डोल एवं प्राईवेट विद्यार्थी)** **पूर्णांकः 100 (70+30) (रेगुलर विद्यार्थी)** **लिखित परीक्षा 70 अंक** **आन्तरिक मूल्याकन : 30 अंक** **समय : तीन घण्टे**

(A) Prescribed Course:

Section "A"	टोडरमल का वास्तुसौख्यम्
Section "B"	टोडरमल का वास्तुसौख्यम्
Section "C"	टोडरमल का वास्तुसौख्यम्
Section "D"	टोडरमल का वास्तुसौख्यम्

(B) Unit-Wise Division

	Section "A" **टोडरमल का वास्तुसौख्यम्**
Unit 1	वास्तुसौख्यम् – अध्याय 1 वास्तुप्रयोजनम्, वास्तुस्वरूप (पद्य, 4–13)
Unit 2	वास्तुसौख्यम् – अध्याय 2 भूमि परीक्षणम्, दिक्साधनम्, निवासहेतु, स्थाननिर्वचनम् (पद्य – 14–22)
	Section "B" **टोडरमल का वास्तुसौख्यम्**
Unit 1	वास्तुसौख्यम् – अध्याय 3 गृहपर्यावरणम्, वृक्षारोपणम्, शल्यशोधनम् (पद्य, 31–49, 74–82)
Unit 2	वास्तुसौख्यम् – अध्याय 4 षड्वर्गपरिशोधनम्, वास्तुक्रम्, शिलान्यासम्, गृहवास्तु (पद्य, 83–102, 107–112)
	Section "C" **टोडरमल का वास्तुसौख्यम्**
Unit 1	वास्तुसौख्यम् – अध्याय 6 पंचविधनि गृहाणि, शाला–आलिन्दप्रमाणम् (पद्य, 171–194) वीथिका प्रमाणम् (पद्य, 195–196)
Unit 2	वास्तुसौख्यम् – अध्याय 7 द्वारज्ञानम्, स्तम्भप्रमाणम्, पंचचतुशालानि, गृहाणि सर्वतोभद्रम्, नंद्यावर्तम्, वर्धमानम्, स्वास्तिकम्, रूचकम् (पद्य, 203–217)
	Section "D" **टोडरमल का वास्तुसौख्यम्**
Unit 1	वास्तुसौख्यम् – अध्याय 8 एकाशीति पद, वास्तुचक्रम् (पद्य, 287–302) मर्मस्थानानि (पद्य, 305–307)
Unit 2	वास्तुसौख्यम् – अध्याय 9 वासादिसन्निरूपणम्, द्वारपफलम्, द्वारवेधपफलम् (पद्य, 322–335, 359–369)

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रश्न पूछना अनिवार्य है।

Suggested Books/Readings

1. टोडरमल, वास्तुसौख्यम् व्याख्याकार/सम्पादक आचार्य श्रीकमलकान्त शुक्ल विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
2. सुखदेव चतुर्वेदी, भारतीय वास्तुशास्त्रा श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।
3. विनोद शास्त्री और सीता राम शर्मा, वास्तुप्रबोधिनी, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
4. राममनोहर द्विवेदी और डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, वृहद्वास्तुमम्, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
5. देवीप्रसाद त्रिपाठी, वास्तुसार, ईस्ट्रन बुक लिंकर्स, दिल्ली।

परीक्षा (Examination) में पूछे जाने वाले प्रश्नों की रूपरेखा (Core Courses)

Maximum Marks Allotted	Minimum Pass Marks	Time Allotted
70	numerical grade-4 or as per university rule	3:00

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

खण्ड–क

प्रश्न 1 (क) इस खण्ड के अन्तर्गत A, B, C, D के समूचे पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ अथवा (MCQ) प्रश्न पूछे जाएंगे, इन सभी के उत्तर संस्कृत में ही एक पद में देने होंगें। 10x1=10

(ख) इस खण्ड के अन्तर्गत समूचे पाठ्यक्रम में से लघु उत्तर वाले 5 प्रश्न होंगें, जिनके उत्तर 25 शब्द प्रति प्रश्न के अनुसार प्रदान करने होंगे। 5x4=20
5x6=30 (ICDEOL)

खण्ड–ख

प्रश्न 2 यह सरलार्थ खण्ड रहेगा। इस खण्ड के अन्तर्गत चार श्लोक पूछे जाएंगे जिनमें दो श्लोकों का सरलार्थ करना होगा 5x2=10
ICDEOL के छात्रों को तीन श्लोकों का सरलार्थ करना होगा। 5x3=15 (ICDEOL)

खण्ड–ग

प्रश्न 3 इस खण्ड में पाठयपुस्तकों के अन्तर्गत आई चार सूक्तियों में से दो की प्रसंग सहित व्याख्या करनी होगी 2x5=10
ICDEOL के छात्रों को तीन सूक्तियों की प्रसंग सहित व्याख्या करनी होगी। 3x5=15(ICDEOL)

खण्ड–घ

प्रश्न 4 इस खण्ड के अन्तर्गत संस्कृत काव्य के इतिहास के अन्तर्गत महाकाव्य एवं गीति काव्य के उद्भव एवं विकास और कवियों तथा उनकी रचनाओं से सम्बन्धित दो प्रश्न पूछे जाएंगे। 1x10=10
1x15=15 (ICDEOL)

खण्ड–ङ

प्रश्न 5 इस खण्ड में तीन प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक प्रश्न हल करना होगा। रघुवंशम्, शिशुपालवधम् एवं नीतिशतकम् की विषयवस्तु एवं कवियों से सम्बन्धित एक प्रश्न का उत्तर। 1x10=10
1x15=15 (ICDEOL)

टिप्पणी : इसी आधार पर **DSE** तथा **GE** विषय के प्रश्न पत्र भी तैयार किये जाए।

परीक्षा (Examination) में पूछे जाने वाले प्रश्नों की रूपरेखा (AECC)

Maximum Marks Allotted	Minimum Pass Marks	Time Allotted
70	numerical grade-4 or as per university rule	3:00 hours

टिप्पणी – सभी वर्गों से प्रष्न पूछना अनिवार्य है।

खण्ड–क

प्रश्न 1 (क)	इस खण्ड के अन्तर्गत Section A, B, C, के समूचे पाठ्यक्रम में से 10 वस्तुनिष्ठ अथवा (MCQ) प्रश्न पूछे जाएंगे, इन सभी के उत्तर हिन्दी में एक पद में देने होंगें।	10x1=10
(ख)	इस खण्ड के अन्तर्गत समूचे पाठ्यक्रम में से लघु उत्तर वाले पाँच प्रश्न होंगें, जिनके उत्तर 25 शब्द प्रति प्रश्न के अनुसार प्रदान करने होंगे।	5x4=20 5x6 =30 (ICDEOL)

खण्ड–ख

प्रश्न 2	इस खण्ड के अन्तर्गत सरलार्थ एवं व्याख्या के पक्ष रखे जाएंगे, जिनका विवरण निम्न है– i) निर्धारित पाठ्यपुस्तकों के 5 श्लोकों में से 3 श्लोकों का सरलार्थ करना होगा। ICDEOL के छात्रों को चार श्लोकों का सरलार्थ करना होगा।	5x3=15 5x4=20 (ICDEOL)

खण्ड–ग

प्रश्न 3	निर्धारित तीन पद्यांशो में से एक की प्रसंग सहित व्याख्या। ICDEOL के छात्रों को 2 श्लोकों की प्रसंग सहित व्याख्या करनी होगी।	1x5=5 2x5=10 (ICDEOL)

खण्ड–घ

प्रश्न 4	इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्प के आधार पर दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक का उत्तर प्रदान करना होगा ईशावास्योपनिषद् के सामान्य परिचय से सम्बन्धित प्रश्न अथवा गीता के सामान्य परिचय से सम्बन्धित प्रश्न अथवा पाणिनीय शिक्षा के सामान्य परिचय से सम्बन्धित प्रश्न	1x10=10 1x15=15 (ICDEOL)

खण्ड–ङ

प्रश्न 5	इस खण्ड के अन्तर्गत औपनिषदिक दर्शन से सम्बन्धित दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से एक का उत्तर प्रदान करना होगा।	1x10=10 1x15=15 (ICDEOL)

टिप्पणी : इसी आधार पर **AEEC/ SEC** विषय के प्रश्न पत्र भी तैयार किये जाए।